



एज्वॉयमेंट / शिखर चंद जैन
अगले महीने से समर वेकेशन यानी गर्मी की छुट्टियां शुरू हो जाएंगी। इस दौरान हो सकता है, तुम किसी हिल स्टेशन पर या दादी-नानी के घर घूमने जाओ। लेकिन अगर तुम कहीं नहीं जा रहे हो तो कुछ ऐसी क्रिएटिव-एंटरटेनिंग एक्टिविटीज कर सकते हो जिसमें तुम्हें मजा तो आएगा ही बहुत कुछ नया सीखने को भी मिलेगा। ऐसे ही कुछ आइडियाज के बारे में जानो।

समर वेकेशन को बनाओ क्रिएटिव-एंटरटेनिंग

बालकोनी में लगाओ बर्ड फीडर

गर्मी के दिनों में जैसे चिलचिलाती धूप, उमस और प्यास से हम बेचैन हो जाते हैं, वैसे ही पशु-पक्षी भी परेशान रहते हैं। तुम चाहो तो अपने घर की बालकोनी, छत या सामने पड़ी खाली जगह को एक शानदार बर्ड फीडिंग स्टेशन बना सकते हो। यहां पक्षियों के लिए पानी से भरे कुंडारे, बड़े सिकोरे या अन्य बर्तन और उनके चुगने की व्यवस्था करने के लिए दाने भरे फीडर लगा सकते हो। इससे पक्षियों को दाना-पानी तो मिलेगा ही तुम्हें भी उनकी अठखेलियां

बनाओ कलर्स कॉमिक्स

बच्चों, तुम खुब कहानी और कॉमिक्स पढ़ते ही होगे, लेकिन कितना मजा आए अगर तुम खुद अपनी लिखी हुई किसी कहानी के आधार पर खुब सारे रंगीन चित्र बनाओ और अपना खुद का कॉमिक्स तैयार करो! अगर तुम खुद कहानी न लिख पाओ तो किसी रोचक घटना के आधार पर या फिर अपनी पढ़ी हुई किसी पसंदीदा कहानी के आधार पर भी स्केच पेन या क्रेयॉन कलर्स के इस्तेमाल से एक प्लेन पेपर नोटबुक में कॉमिक्स बना सकते हो। हो सके तो अपने दोस्तों को भी इसके लिए मोटिवेट करना फिर सब एक-दूसरे की तैयारी की गई कॉमिक्स मजे से पढ़ना।



अलग कर दो। इसी तरह-तुम्हें अलग सा बोर्ड गेम बनाकर तुम अपने फ्रेंड्स के साथ खेल सकते हो।

करो वाल पेंटिंग

अगर तुम्हारे घर के सामने या पिछवाड़े में कोई बगीचा है या छत पर तुमने गमले वगैरह रखे हैं या फिर बरामदे की बाहरी दीवारें रास्ते की तरफ से नजर आती हैं तो तुम यहां सुबह या शाम के समय सुंदर-सुंदर पेंटिंग बनाकर इन दीवारों को सजा सकते हो, इन्हें आकर्षक बना सकते हो। फूलों, पक्षियों, तितलियों आदि के चित्र से दीवारें बहुत सुंदर नजर आएंगी। साथ ही तुम्हें म्यूजिक पेंटिंग की प्रैक्टिस का मौका भी मिलेगा। इसी तरह तुम चाहो तो प्लांटर्स और गमलों को भी तरह-तरह के पेंट से सजाकर उन्हें आकर्षक लुक दे सकते हो।

बनाओ फेमिली हिस्ट्री बुक

कई बार तुम्हें अपने मम्मी-पापा के मम्मी-पापा का नाम तो पता होता है लेकिन इसके बाद यानी परदादा-परदादी, परनाना-परनानी का नाम मालूम नहीं होता। इन छुट्टियों में तुम अपनी फेमिली ट्री को जानने की कोशिश कर सकते हो। मम्मी-पापा से उनके जन्मस्थान, वहां से जुड़ी बातें, खास रीति-रिवाज, वहां का विशेष खान-पान, उनकी खास यादें और उनके

पैरेंट्स के साथ-साथ ग्रैंड पैरेंट्स का नाम भी पूछो। इन सारी बातों को चित्रों और तस्वीरों के साथ एक नोटबुक में सुंदर तरीके से लिखो। जन्म स्थान के गांव, कस्बे या शहर की कोई जानकारी भी लिखो। अपने नजदीकी रिश्तेदारों की भी जानकारी भी इसमें लिख सकते हो। यह सब जानकर तुम्हें बहुत अच्छा लगेगा और तुम जो नोटबुक बनाओगे, वह अपने आप में एक फेमिली डॉक्यूमेंट जैसा बन जाएगा।

सीखो नई स्किल

इन छुट्टियों का इससे अच्छा उपयोग और क्या होगा कि तुम इस दौरान कोई नई स्किल सीख लो। समर वेकेशन में नई भाषा, कोई म्यूजिकल



इंस्ट्रुमेंट बजाना, क्राफ्ट वर्क जैसे पेपर क्विलिंग, ओरिगामी, डेकोपेज (किसी वस्तु पर विशेष कलर इफेक्ट, सजावटी चीजों के साथ रंगीन कागज के कट आउट चिपकाकर उन्हें सजाने की कला) जैसी कलाएं सीखने में बहुत मजा आएगा। जब तुम कोई नई स्किल, भाषा या आर्ट सीख लो तो स्कूल खुलने पर अपने दोस्तों के सामने उसका प्रदर्शन करके अपना इंग्लिश भी जमा सकोगे और टीचर भी खुब शाबासी देंगे। तो बच्चों, यहां दिए गए आइडियाज में से कोई भी आइडिया सेलेक्ट करके तुम अपने वाली समर वेकेशन को खुब क्रिएटिव और एंटरटेनिंग बना सकते हो।

कुछ बच्चे बहुत जिज्ञासु स्वभाव के होते हैं। वे कितने पढ़कर, अपने से बड़े से सवाल करके अपनी नॉलेज बढ़ाते रहते हैं। हिमानी भी इन्हीं बच्चों में से है। एक दिन उसने अपने दादा जी से सवाल किया कि समुद्र का पानी खारा क्यों होता है? दादा जी ने उसे जो जानकारी दी, तुम्हारा जानना भी जरूरी है।

समुद्र का पानी क्यों होता है खारा

नॉलेज जोन / अशोक जोशी

हिमानी की आदत है, वह स्कूल में सिर्फ अपने टीचर से ही नहीं, घर पर अपने दादा जी या पापा से भी ऐसी जानकारियां लेती रहती है, जिससे उसका ज्ञानवर्धन हो। हिमानी का स्वभाव अपनी हर जिज्ञासा को शांत करना है। कई दिनों से उसके दिमाग में एक प्रश्न कौंध रहा था कि समुद्र का पानी खारा क्यों होता है? आज उसने अपने दादा जी से यह सवाल पूछ ही लिया। हिमानी ने जानना चाहा, 'दादा जी, सारी नदियां जाकर समुद्र से मिलती हैं। नदियों का पानी मीठा रहता है, जबकि सारी नदियों का पानी समाहित करने वाले समुद्र का पानी खारा होता है। मेल-जोल का परिणाम तो मीठा होना चाहिए। लेकिन नदियों और सागर का संगम खारा क्यों?' दादा जी मन ही मन हिमानी के इस प्रश्न पर खुश हुए फिर बोले, 'शाबास बेटा, तुम जिस तरह अपनी नॉलेज बढ़ाने के लिए प्रश्न पूछती रहती हो, यह बहुत अच्छी बात है।' एक पल रुककर दादा जी आगे बोले, 'हां, हिमानी बेटा मैं भी यही मानता हूँ कि मेल-जोल का परिणाम तो मीठा होना चाहिए। लेकिन इस मेल-जोल में किसी तरह की मिलावट नहीं होनी चाहिए। जब नदियां अपने स्रोत से निकलती हैं तो मीठी और साफ ही होती हैं। लेकिन समुद्र तक पहुंचते-पहुंचते रास्ते में इनमें कारखानों से निकलने वाली गंदगी और हमारे द्वारा डाले जा रहे कचरे के कारण ये गंदी हो जाती है। जब समुद्र में नदियों के साथ इतनी अशुद्धियां और इतनी गंदगी और प्रदूषण आता है तो इसका खारा होना स्वाभाविक ही है। यह तो हमारे समझने की बात है। लेकिन यदि विज्ञान की दृष्टि से देखा जाए तो महासागरों और समुद्रों के पानी में सबसे अधिक क्लोरीन और सोडियम के आयन मौजूद होते हैं। ये दोनों आयन मिलकर महासागरों में घुले आयनों का 85 फीसदी हिस्सा बनाते हैं। इसके बाद मैग्नीशियम और सल्फेट 10 फीसदी हिस्सा बनाते

हैं। इनके अलावा बाकी आयनों की मात्रा बहुत कम होती है। इसलिए हमें समुद्र का पानी हमेशा खारा लगता है। दूसरा कारण खारे पानी का यह है कि समुद्रों में सबसे ज्यादा नमक नदियों से आता है। कहा जाता है कि बारिश का पानी थोड़ा अम्लीय होता है, जब यह पानी जमीन की चट्टानों पर पड़ता है, तो उसका अपरदन कर देता है, इससे बनने वाले आयन नदी के रास्ते समुद्रों में मिल जाते हैं। इससे समुद्र का पानी खारा होता रहता है।' दादा जी ने हिमानी से पूछा, 'क्या तुम बता सकती हो कि दुनियाभर के समुद्रों में कितना नमक होता होगा?' 'नहीं दादा जी...' हिमानी ने ना में फिर हिला दिया। दादा जी ने बताया, 'अमेरिका के नेशनल ओशियाना और एटमोस्फियरिक एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार यदि सभी समुद्रों से पूरा नमक निकाल कर जमीन पर फैला दिया जाए तो उसकी परत 500 मीटर ऊंची हो जाएगी।' 'अरे बाप रे!' कहते हुए हिमानी ने आश्चर्य से अपनी आंखों की पुतलियों घुमा दीं, जिसे देखकर दादा जी को हंसी आ गई। हिमानी भी दादा जी के साथ हंस पड़ी।



जिके विजज-101
1. पिछले दिनों आईपीएल के इतिहास में सर्वाधिक शतक लगाने वाले खिलाड़ी कौन बने हैं?
2. हाल ही में किस 17 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी ने सबसे कम उम्र में कैडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर विश्व रिकॉर्ड बनाया?
3. अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस कब मनाया जाता है?
4. किस अंग्रेज को मुगल शासक जहांगीर ने 'खान' की उपाधि से सम्मानित किया था?
5. भारत छोड़ो आंदोलन का नेतृत्व किसने किया था?
6. भारत में हरित क्रांति का जनक किसे माना जाता है?
7. एक्स-रे की खोज किस भौतिक वैज्ञानिक ने की थी?
8. भारतीय संविधान सभा के पहले अंतरिम अध्यक्ष कौन थे?
9. 'भारत-भारतियों के लिए', यह नारा किस महापुरुष ने दिया था?
10. संसदा का सबसे छोटा पक्षी कौन-सा है?
बच्चों, जिके विजज-101 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देते वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर भेज सकते हो।

हंसगुल्ले
मम्मी: खरगोश और कछुए की कहानी से क्या शिक्षा मिलती है?
मौलू: मम्मी, यही कि रेस माले ही हार जाओ, पर जीत पूरी होनी चाहिए।
टीचर: पानीपत की दूसरी लड़ाई के बाद क्या हुआ?
राजू: सर, इतिहास की किताब में रटने के लिए एक और चैप्टर बढ़ गया।
टीचर: बताना, अंग्रेजों के खिलाफ पहली क्रांति कब हुई थी?
रोहित: सर, मुझे कैसे पता होगा? मैं तो उस वक्त था ही नहीं।
टीचर: पानीपत की दूसरी लड़ाई के बाद क्या हुआ?
राजू: सर, इतिहास की किताब में रटने के लिए एक और चैप्टर बढ़ गया।
टीचर: बताना, अंग्रेजों के खिलाफ पहली क्रांति कब हुई थी?
रोहित: सर, मुझे कैसे पता होगा? मैं तो उस वक्त था ही नहीं।
टीचर: पानीपत की दूसरी लड़ाई के बाद क्या हुआ?
राजू: सर, इतिहास की किताब में रटने के लिए एक और चैप्टर बढ़ गया।
टीचर: बताना, अंग्रेजों के खिलाफ पहली क्रांति कब हुई थी?
रोहित: सर, मुझे कैसे पता होगा? मैं तो उस वक्त था ही नहीं।

कहानी
हरिशचंद्र पांडे
रौनित सुबह से यही सोच रहा था, आज रविवार है, कोई अच्छा काम करे, लेकिन क्या करे? यही सोचता हुआ वह बिस्तर से उठकर बाहर बरामदे में आ गया। इधर-उधर गौर से देखा, सोच-विचार किया, उसके दिमाग में आया, 'अरे! गमले के पौधे प्यासे हैं, इन्हें पानी दिया जाए।' पास ही नल के नीचे बाल्टी भरी हुई दिखी, उसने तुरंत उसे उठाया और सारा पानी गमलों में डाल दिया। तभी मम्मी जोर से चिल्लाई, 'अरे! यह पानी तो दादा जी के नहाने के लिए था। गमलों में तो मैंने अभी-अभी पानी डाला है। रौनित तुम भी क्या करते रहते हो...!'
'अरे मम्मी! सॉरी...' कहकर रौनित वहां से सरपट भागा। भागकर पापा के कमरे में आया। वहां देखा, पापा आराम कुर्सी पर बैठकर मजे से टीवी देख रहे हैं। रौनित ने उनको टोका, 'पापा उठिए और सीधे बैठ जाइए। आप तो बहुत गलत ढंग से बैठे हैं।' इसीलिए आपकी पीठ और कमर में दर्द रहता है।' 'अरे, बेटा आज रविवार के दिन यह लेकर क्यों दे रहे हो? इसी तरह आराम से बैठे रहने दो।' पापा बैठे-बैठे बोले।
'हमारी योगा टीचर कहा करती हैं, यह बैठने का गलत तरीका है। उठिए और सीधे बैठिए।' रौनित ने पापा से फिर कहा।
तभी पापा के मोबाइल पर किसी का फोन आ गया। वह सीधे खड़े हो गए और टहल-टहल कर बात करने लगे। रौनित की सलाह बेकार चली गई।
रौनित अपने बड़े भैया के पास अजीब-सी शक्ल बनाकर पहुंचा। वह रिड्डीकी से बाहर पड़ोसी चौधरी अंकल के पेड़ के पके-पके अमरूद ध्यान से देख रहे थे। रौनित को लगा, भैया को अमरूद खाना है। वह बोला, 'ओह, मेरे बड़े भैया, मैं कब आपके काम आऊंगा?' यह कहकर वह झट से स्टोररूम में गया, वहां से एक डंडा ले आया। भैया ने मुड़कर देखा, चौंक कर बोले, 'रौनित यह क्या शरारत है?'

रौनित ने रविवार के दिन घर में रहकर कोई अच्छा काम करने की सोची। जब अच्छा काम करने लगा तो सब उल्टा-पुल्टा होने लगा। उसके कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि ऐसा क्यों हो रहा है? अंत में उसकी बुआ जी के आने से माजरा एकदम उसके पक्ष में बन गया।

सबसे प्यारा रौनित!



वह तुरंत बोला, 'आपके लिए अमरूद तोड़ूँ, इसीलिए मैं डंडा लाया हूँ।'
'ओहो! तुम्हें पता है यह पेड़ हमारा नहीं है। तब भी तुम डंडा ले आए। कमाल करते हो, लगता है तुम्हारे पास कोई काम नहीं है। चलो, अब यह डंडा वहीं रखो जहां से लाए हो।' भैया ने रौनित को डांटा।
रौनित ने उल्टे पैर जाकर डंडा उसी जगह पर रख दिया। तभी उसे अपने बगीचे में माली काका आते दिखे। उसने सोचा, माली काका बहुत बुजुर्ग हैं। अब इनका हाल-चाल पूछ लेता हूँ। यह सोचकर वह बाहर आया और झुककर नमस्ते कर के बोला, 'नमस्ते माली काका, आप कैसे हैं?' माली काका को हंसी आ गई। वह रौनित से बोले, 'अरे

अच्छे हैं बेटा।'
'अच्छा, आप सचमुच बहुत अच्छे हैं।' एक पल रुककर रौनित ने फिर पूछा, 'कैसे हैं माली काका आप, अच्छे हैं ना?'
'अरे बेटा तुम्हें क्या हो गया है? बार-बार काहे हाल-चाल पूछ रहे हो, चलो हमको काम करने दो।' हंसते हुए वह कहकर माली काका अपने काम में लग गए।
रौनित अब पहुंचा अपने दादा जी के पास। वह चुपचाप बैठे थे। रौनित उनकी खामोशी की वजह समझ गया। वह दादा जी से बोला, 'अच्छा तो आपने फिर से मम्मी-पापा से छुपकर चीनी खाई है।'
'अरे रौनित, क्या बोल रहे हो! तुम्हारे मम्मी-पापा सुन लेंगे तो आफत कर देंगे। जरा धीरे से बोली।' दादा जी मुंह पर अंगुली रखते हुए बोले।
रौनित आहिस्ता से बोला, 'हां... हां... आपने जरूर चीनी खाई है, शुरुआत बढ़ गई है, इसीलिए चुपचाप बैठे हैं।' दादा जी ने रौनित से बोले, 'अब तुम चुपचाप ही बैठो तो सही रहेगा।'
'तो ठीक है दादा जी, मैं अब चुपचाप ही रहता हूँ। आज सुबह जब से जागा हूँ, तब से कोई मेरी सुन ही नहीं रहा।' रौनित चुपचाप एक ओर जाकर बैठ गया।
'अरे, मैं तो सुन रही हूँ।' किसी ने पीछे से थपकी दी। रौनित ने मुड़कर देखा, सामने बुआ जी खड़ी हुई थीं। वह जोर से चहका, 'अरे बुआ जी आप..!'
'अरे हां रौनित, तुमने कितनी प्यारी चिट्ठी लिखी थी। मैं उसे पढ़ते ही यहां आ गई। बेटा, तुम हो सबसे प्यारे और यह देखो मैं तुम्हारे लिए टी-शर्ट लाई हूँ। देखो, इतनी प्यारी लिखा है, सबसे प्यारा रौनित।'
'वाह! थैंक यू मेरी प्यारी बुआ!' खुशी से उछलते हुए रौनित बोला।
घर के लोग रौनित की बुआ जी के आने से बहुत खुश थे। रौनित अपनी बुआ जी के साथ बैठकर मीठी गपशप में लग गया था। परिवार के लोग भी बैठे उनकी बातें हंसते हुए सुन रहे थे।

कविता
इंद्रजीत कौशिक
फुग्वे
फुग्वे वाला फुग्वे लेकर जब मेले में आया, ले-तो, ले-तो फुग्वे ले लो कड़ कर के धिल्लया। नीले, पीले, रंगे, गुलाबी कुछ का रंग था लाल, बन मतवाले झूम रहे थे फुग्वे बड़े कमाल। बच्चों ने जब फुग्वे देखे झटपट दौड़े आए, एक नहीं दो-दो लेकर के मन ही मन लुभाए। लेकर फुग्वे बच्चों ने जब उठें ल्वा में छोड़ा, ऐसे उड़े ल्वा में वे तो जैसे चेतक घोड़ा।

अंतर बताओ
बच्चों, यहां एक जैसे दिख रहे दो चित्रों में 6 अंतर मौजूद हैं। इन दोनों चित्रों को ध्यान से देखो और पांच मिनट में सभी अंतर खोजो।
1. एक बच्चा कपड़े बदल गया।
2. एक बच्चा हाथ में गुब्बारा धर रहा है।
3. एक बच्चा कंधे पर कुत्ता धर रहा है।
4. एक बच्चा हाथ में गुब्बारा धर रहा है।
5. एक बच्चा हाथ में गुब्बारा धर रहा है।
6. एक बच्चा हाथ में गुब्बारा धर रहा है।

गिनकर बताओ
बच्चों, यहां दिए गए चित्र में कई सारे पक्षी दिख रहे हैं। तुम्हें गिनकर बताना है कि इस चित्र में कुल कितने पक्षी हैं?
1. 10
2. 11
3. 12
4. 13
5. 14
6. 15
7. 16
8. 17
9. 18
10. 19
11. 20
12. 21
13. 22
14. 23
15. 24
16. 25
17. 26
18. 27
19. 28
20. 29
21. 30
22. 31
23. 32
24. 33
25. 34
26. 35
27. 36
28. 37
29. 38
30. 39
31. 40
32. 41
33. 42
34. 43
35. 44
36. 45
37. 46
38. 47
39. 48
40. 49
41. 50
42. 51
43. 52
44. 53
45. 54
46. 55
47. 56
48. 57
49. 58
50. 59
51. 60
52. 61
53. 62
54. 63
55. 64
56. 65
57. 66
58. 67
59. 68
60. 69
61. 70
62. 71
63. 72
64. 73
65. 74
66. 75
67. 76
68. 77
69. 78
70. 79
71. 80
72. 81
73. 82
74. 83
75. 84
76. 85
77. 86
78. 87
79. 88
80. 89
81. 90
82. 91
83. 92
84. 93
85. 94
86. 95
87. 96
88. 97
89. 98
90. 99
91. 100
92. 101
93. 102
94. 103
95. 104
96. 105
97. 106
98. 107
99. 108
100. 109
101. 110
102. 111
103. 112
104. 113
105. 114
106. 115
107. 116
108. 117
109. 118
110. 119
111. 120
112. 121
113. 122
114. 123
115. 124
116. 125
117. 126
118. 127
119. 128
120. 129
121. 130
122. 131
123. 132
124. 133
125. 134
126. 135
127. 136
128. 137
129. 138
130. 139
131. 140
132. 141
133. 142
134. 143
135. 144
136. 145
137. 146
138. 147
139. 148
140. 149
141. 150
142. 151
143. 152
144. 153
145. 154
146. 155
147. 156
148. 157
149. 158
150. 159
151. 160
152. 161
153. 162
154. 163
155. 164
156. 165
157. 166
158. 167
159. 168
160. 169
161. 170
162. 171
163. 172
164. 173
165. 174
166. 175
167. 176
168. 177
169. 178
170. 179
171. 180
172. 181
173. 182
174. 183
175. 184
176. 185
177. 186
178. 187
179. 188
180. 189
181. 190
182. 191
183. 192
184. 193
185. 194
186. 195
187. 196
188. 197
189. 198
190. 199
191. 200
192. 201
193. 202
194. 203
195. 204
196. 205
197. 206
198. 207
199. 208
200. 209
201. 210
202. 211
203. 212
204. 213
205. 214
206. 215
207. 216
208. 217
209. 218
210. 219
211. 220
212. 221
213. 222
214. 223
215. 224
216. 225
217. 226
218. 227
219. 228
220. 229
221. 230
222. 231
223. 232
224. 233
225. 234
226. 235
227. 236
228. 237
229. 238
230. 239
231. 240
232. 241
233. 242
234. 243
235. 244
236. 245
237. 246
238. 247
239. 248
240. 249
241. 250
242. 251
243. 252
244. 253
245. 254
246. 255
247. 256
248. 257
249. 258
250. 259
251. 260
252. 261
253. 262
254. 263
255. 264
256. 265
257. 266
258. 267
259. 268
260. 269
261. 270
262. 271
263. 272
264. 273
265. 274
266. 275
267. 276
268. 277
269. 278
270. 279
271. 280
272. 281
273. 282
274. 283
275. 284
276. 285
277. 286
278. 287
279. 288
280. 289
281. 290
282. 291
283. 292
284. 293
285. 294
286. 295
287. 296
288. 297
289. 298
290. 299
291. 300
292. 301
293. 302
294. 303
295. 304
296. 305
297. 306
298. 307
299. 308
300. 309
301. 310
302. 311
303. 312
304. 313
305. 314
306. 315
307. 316
308. 317
309. 318
310. 319
311. 320
312. 321
313. 322
314. 323
315. 324
316. 325
317. 326
318. 327
319. 328
320. 329
321. 330
322. 331
323. 332
324. 333
325. 334
326. 335
327. 336
328. 337
329. 338
330. 339
331. 340
332. 341
333. 342
334. 343
335. 344
336. 345
337. 346
338. 347
339. 348
340. 349
341. 350
342. 351
343. 352
344. 353
345. 354
346. 355
347. 356
348. 357
349. 358
350. 359
351. 360
352. 361
353. 362
354. 363
355. 364
356. 365
357. 366
358. 367
359. 368
360. 369
361. 370
362. 371
363. 372
364. 373
365. 374
366. 375
367. 376
368. 377
369. 378
370. 379
371. 380
372. 381
373. 382
374. 383
375. 384
376. 385
377. 386
378. 387
379. 388
380. 389
381. 390
382. 391
383. 392
384. 393
385. 394
386. 395
387. 396
388. 397
389. 398
390. 399
391. 400
392. 401
393. 402
394. 403
395. 404
396. 405
397. 406
398. 407
399. 408
400. 409
401. 410
402. 411
403. 412
404. 413
405. 414
406. 415
407. 416
408. 417
409. 418
410. 419
411. 420
412. 421
413. 422
414. 423
415. 424
416. 425
417. 426
418. 427
419. 428
420. 429
421. 430
422. 431
423. 432
424. 433
425. 434
426. 435
427. 436
428. 437
429. 438
430. 439
431. 440
432. 441
433. 442
434. 443
435. 444
436. 445
437. 446
438. 447
439. 448
440. 449
441. 450
442. 451
443. 452
444. 453
445. 454
446. 455
447. 456
448. 457
449. 458
450. 459
451. 460
452. 461
453. 462
454. 463
455. 464
456. 465
457. 466
458. 467
459. 468
460. 469
461. 470
462. 471
463. 472
464. 473
465. 474
466. 475
467. 476
468. 477
469. 478
470. 479
471. 480
472. 481
473. 482
474. 483
475. 484
476. 485
477. 486
478. 487
479. 488
480. 489
481. 490
482. 491
483. 492
484. 493
485. 494
486. 495
487. 496
488. 497
489. 498
490. 499
491. 500
492. 501
493. 502
494. 503
495. 504
496. 505
497. 506
498. 507
499. 508
500. 509
501. 510
502. 511
503. 512
504. 513
505. 514
506. 515
507. 516
508. 517
509. 518
510. 519
511. 520
512. 521
513. 522
514. 523
515. 524
516. 525
517. 526
518. 527
519. 528
520. 529
521. 530
522. 531
523. 532
524. 533
525. 534
526. 535
527. 536
528. 537
529. 538
530. 539
531. 540
532. 541
533. 542
534. 543
535. 544
536. 545
537. 546
538. 547
539. 548
540. 549
541. 550
542. 551
543. 552
544. 553
545. 554
546. 555
547. 556
548. 557
549. 558
550. 559
551. 560
552. 561
553. 562
554. 563
555. 564
556. 565
557. 566
558. 567
559. 568
560. 569
561. 570
562. 571
563. 572
564. 573
565. 574
566. 575
567. 576
568. 577
569. 578
570. 579
571. 580
572. 581
573. 582
574. 583
575. 584
576. 585
577. 586
578. 587
579. 588
580. 589
581. 590
582. 591
583. 592
584. 593
585. 594
586. 595
587. 596
588. 597
589. 598
590. 599
591. 600
592. 601
593. 602
594. 603
595. 604
596. 605
597. 606
598. 607
599. 608
600. 609
601. 610
602. 611
603. 612
604. 613
605. 614
606. 615
607. 616
608. 617
609. 618
610. 619
611. 620
612. 621
613. 622
614. 623
615. 624
616. 625
617. 626
618. 627
619. 628
620. 629
621. 630
622. 631
623. 632
624. 633
625. 634
626. 635
627. 636
628. 637
629. 638
630. 639
631. 640
632. 641
633. 642
634. 643
635. 644
636. 645
637. 646
638. 647
639. 648
640. 649
641. 650
642. 651
643. 652
644. 653
645. 654
646. 655
647. 656
648. 657
649. 658
650. 659
651. 660
652. 661
653. 662
654. 663
655. 664
656. 665
657. 666
658. 667
659. 668
660. 669
661. 670
662. 671
663. 672
664. 673
665. 674
666. 675
667. 676
668. 677
669. 678
670. 67